Treasure Caretaker Training
DIGITAL MONASTERY PROJECT

PRESERVATION OF BUDDHIST TREASURES RESOURCE is the free online resource for monasteries and communities, with practical information on digital documentation, risk assessment and disaster recovery, safer storage, and preservation of thangka and other treasures. The resource comes from over 50 years of preservation work in monasteries.

Treasurecaretaker.com   0019022221467   treasurecaretaker@icloud.com

RISK ASSESSMENT: EARTHQUAKE

treasurecaretaker@icloud.com
www.treasurecaretaker.com

परिचय

जोखिम आंकलन, आपदा योजना और न्यूनीकरण

जोखिम आंकलन : भूकंप

परिचय

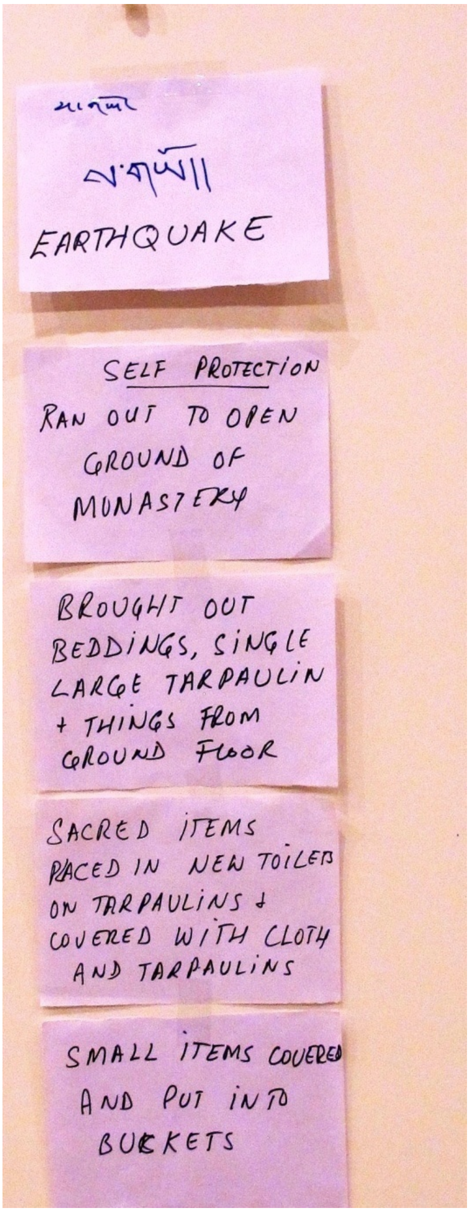

भूकंप एवं उसके झटकों के दौरान, मठ की सम्पत्ति के संरक्षण हेतु उपायों के बारे में मठवासियों के अपने अनुभव।

भूकंप के दौरान मठवासियों के अनुभव :

- आत्मरक्षा : मठ के खुले मैदान की ओर भागना
- बिस्तर, बड़े तिरपाल और भूतल से सामान बाहर लाना
- पवित्र वस्तुओं को कपड़े व तिरपाल से ढककर, नए शौचालयों में तिरपाल पर रखना

- छोटी वस्तुओं को ढककर बाल्टियों में रखना

भूकंप से क्षतिग्रस्त लखांग, असुरक्षित होने के कारण, पूरी तरह ध्वस्त कर हटाना पड़ा

भूकंप अपने आप में एक प्राथमिक घटना है, लेकिन यह यहीं नहीं रुकता। भूकंप आने के बाद आमतौर पर झटके आते हैं और अक्सर आग लग जाती है। सामाजिक उथल-पुथल होती है और निवासियों व आपातकालीन कर्मचारियों के लिए खतरा बना रहता है। इसके बाद आवास और सेवाओं की कमी के कारण दैनिक व्यवधान की एक लंबी अवधि शुरू होती है जब तक मलबे को साफ नहीं किया जाता और नई संरचना नहीं बनाई जाती है। लागत और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुये भूकंप में क्षतिग्रस्त कुछ मठों व स्तूपों को कुछ समय के लिए दुबारा नहीं बनाया जाता है।

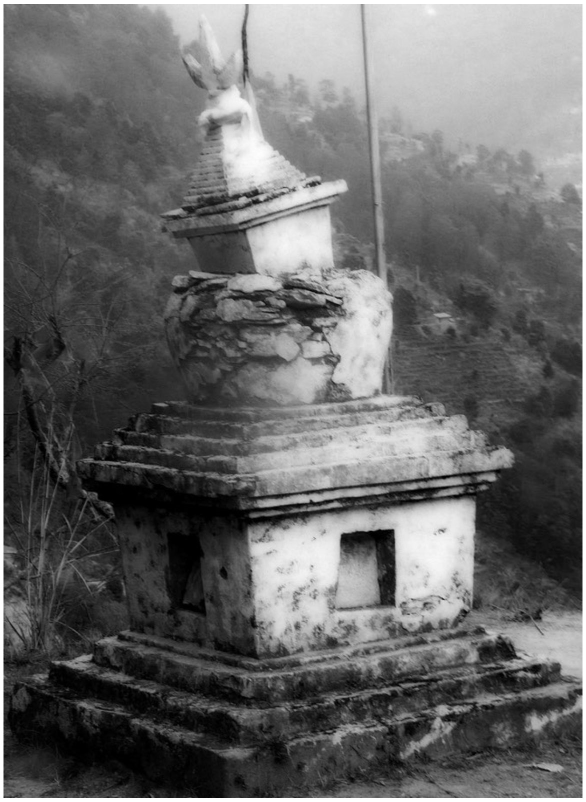

ग्रामीण क्षेत्र में भूकंप से क्षतिग्रस्त स्तूप मरम्मत की प्रतीक्षा में (चित्र - जिम लिंडसे)

भूकंप से क्षतिग्रस्त भित्ति चित्र (वॉल पेंटिंग)। कुछ मठों ने क्षतिग्रस्त चित्रों को हटा कर पुनः चित्र बनाने का प्रयास किया तो वहीं अन्य मठो ने चित्रों की मरम्मत करने का प्रयास किया।

भूकंप हालांकि प्राकृतिक आपदा है, लेकिन इनसे होने वाली क्षति के लिए मानव निर्मित कारक भी है, जैसेकि : अपर्याप्त बुनियादी ढांचा व तैयारी; योजना और संचार की कमी; अयोग्य भवन निर्माण; भूस्खलन वाली जगहों पर मठों व समुदायों का होना, इत्यादि। ये सभी विकल्प भूकंप की घटना से होने वाले नुकसान को बढ़ाते हैं। चूंकि यह लोगों द्वारा चुने गए विकल्प हैं, इसलिए भूकंप क्षेत्रों में रहने वालों की सुरक्षा के लिए अधिक प्रभावशाली तरीको का चुनाव किया जाना चाहिये।विशेष भौगोलिक स्थानों के लिए भूकंपीय जोखिम की गणना की जा सकती है, और यह जोखिम न्यूनीकरण योजना के लिए एक स्तंभ है। आप स्थानीय सरकारी विभागों के माध्यम से अपने मठ के क्षेत्र के लिए भूकंपीय जोखिम का शोध कर सकते हैं, अक्सर विश्वविद्यालय भूकंपीय आकड़े प्रस्तुत करते हैं, और हम अक्सर वर्तमान जानकारी के लिए वेब इत्यादि का उपयोग करते हैं।

मठ का स्तंभ जो एक पहाड़ की चोटी पर बनाया गया था। इस मठ का अधिकांश भाग गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त होने के कारण इसे हटाकर पुनर्निर्माण करना पड़ा।

यह मठ कंक्रीट से अच्छी तरह से बनाये जाने के बाद भी, इसके स्थान के कारण इसे भूकंप से भीषण क्षति हुई।

पारंपरिक तकनीक से पिसी हुई मिट्टी द्वारा भिक्षुणियाँ अपने मठ का निर्माण करते हुए। कुछ लोगों का मानना है कि भूकंप के दौरान कंक्रीट की संरचनाओं की तुलना में पारंपरिक संरचनाएं अधिक मजबूत होती हैं।

भूकंप के विनाश से मलबे के बीच काठमांडू में मुख्य स्तूप का पुनर्निर्माण

जोखिम मूल्यांकन, आपदा प्रतिक्रिया योजना और न्यूनीकरण

अतीत में, भूकंप से बचने के लिए बहुत कम तैयारी और योजना थी। कई लोग मारे गए और कई सम्पत्ति नष्ट हो गयी। अब, जोखिम मूल्यांकन, आपदा प्रतिक्रिया योजना और शमन मार्गदर्शिका ऐसे तरीके और सामग्री प्रदान करती है जो आपको, आपके मठ, और इसकी सम्पत्ति, साथ ही साथ आपके समुदाय को अगले भूकंप से बचने में सहायक होगी।

आपके लिए प्रदान किए गए परिशिष्ट में भूकंप और संबंधित आपदाओं की योजना बनाने के लिए आवश्यक सभी लिखित संसाधन शामिल हैं।

- भूकंप के बाद मठ की सम्पत्ति का संरक्षण।
- क्षेत्रीय मार्गदर्शक आंकलन प्रपत्र।
- आपदा की संवेदनशीलता का आंकलन ।
- आपूर्ति के लिए एक खरीदारी सूची और आपूर्ति की सूची जिसकी आपको आपदा के बाद आवश्यकता होगी।
- आपके मुख्य केंद्र के लिए एक आपूर्ति सूची होनी अनिवार्या है, क्योंकि आपदा के बाद मुख्य केंद्र के साथ मुख्य दाल नेतृत्व कर्ता भी होना चाहिए।

भूकंप में जान और माल दोनों नष्ट हो जाते हैं। पूर्ण विनाश हो सकता है: टूटना, धूम्र क्षति, जल क्षति, भूमि लूट इत्यादि। न केवल भूकंप विनाशकारी होता है अपितु इसके साथ आने वाले झटके भी विनाशकारी होते है।

गैस की टंकियों में विस्फोट हो सकता है और बिजली के तारों में चिंगारी लग सकती है, जिससे आग लग सकती है। भूकंप के बाद आग बुझाने के लिए, इमारतों और उनमें जो भी सामग्री होगी, उसे काफी मात्रा में जल क्षति हो सकती है।

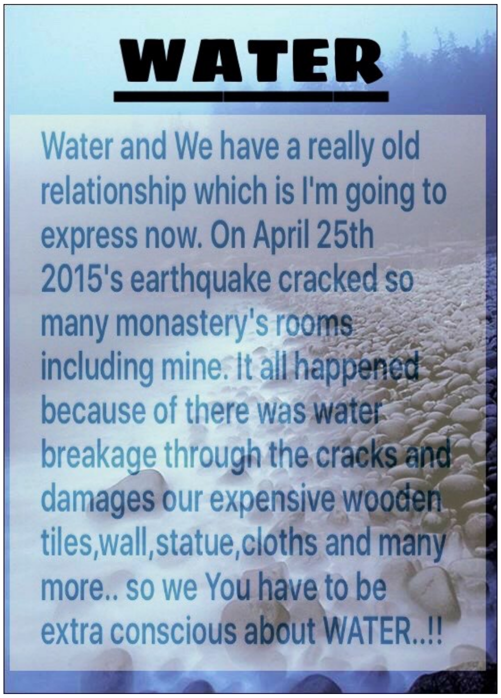

भूकंप व जल क्षति के बारे में मठ में लगे चिन्ह

भूकंप अपने आप में बहुत क्षति पहुँचता है। भूकंप के बाद, क्षति अग्नि व जल के साथ-साथ लूटपाट की भारी समस्या होती है। भूकंप के बाद लोग भी चोरी कर सकते है। अपनी भूकंप प्रतिक्रिया योजना में, आपको इन सभी संभावनाओं के लिए योजना बनानी होगी। भूकंप के अलावा, आपको अग्नि, जल और चोरी से होने वाली क्षति को कम करने के लिए तैयारी करनी होगी।

भूकंप

- जीवन और सम्पत्ति की हानि
- पूर्ण विनाश
- टूट- फूट
- धूम्र क्षति
- जल क्षति
- लूटपाट

भूकंप के पश्चात, आग लगने कि सम्भावना रहती है, जिससे और समस्याएं पैदा होती हैं। उदाहरण के लिए, एक पहाड़ी पर स्थित एक मठ के प्रमुख गेशे ने कहा कि एक बड़े भूकंप के दौरान वह अपने मठ में अपने कार्यालय में

फंस गया था। वह भूकंप के दौरान घाटी की ओर देख रहा था और उसने देखा कि घरों और मठों में विस्फोट हो रहा था क्योंकि उनके गैस टैंक और बिजली के तारों में विस्फोट हो गया था। उसने नीचे देखा तो उसने देखा कि आग धधक रही है। न केवल इमारतें गिर रही थीं बल्कि पूरी घाटी में आग लग गई थी। आग अपने आप में एक वास्तविक समस्या है, लेकिन भूकंप के पश्चात होने वाली आग प्रमुख समस्या है।

अपने मठ कि सम्पत्ति को अधिक भूकंप क्षति को रोकने के लिए आप क्या कर सकते हैं इसके लिए यहां व्यावहारिक सुझाव दिए गए हैं। जितना हो सके दल नियमावली के साथ अपनी आपातकालीन योजना का पालन करें। ये मठों के लिए आपातकालीन योजना के मूल तत्व हैं:

मठों और समुदायों के लिए आपातकालीन योजना के मूल तत्व

1. पहली प्राथमिकता - लोग।

2. आप सर्वप्रथम किसे बुलाएंगे?

प्रभार में कौन है?

आपातकालीन दूरभाष।

पूर्ण मठ निवास सूची, सुचना देना, वीचैट, व्हाट्सएप, आदि के लिए।

3. संग्रह का क्षति से बचाव किसे करना चाहिए?

मठ की सम्पत्ति के लिए से बचाव दल (प्रशिक्षित)।

4. क्षतिग्रस्त सम्पत्ति को कहां लाएं?

अन्य मठ?

आपके मठ का भोजन कक्ष, कक्षाएं, आदि।

5. आप सबसे पहले क्या सुरक्षित करेंगे?

अपनी प्राथमिकताएं तय करें, विशेषतः किसी आपात स्थिति से पहले।

प्रत्येक ताल की योजना पर प्रमुख सम्पत्ति के स्थान को चिह्नित करें।

6. आपातकालीन आपूर्तियाँ कहाँ हैं?

आपात स्थिति होने से पहले भंडार की आपूर्ति करें।

प्रत्येक ताल की योजना पर आपूर्ति के स्थान को चिह्नित करें।

अतिरिक्त आपूर्ति के लिए स्थानीय विक्रेताओं से संपर्क करें।

7. आपातकाल के दौरान सुरक्षा कौन प्रदान करेगा ?

मठवासी, समुदाय के सदस्य या प्रशासन?

8. आपको किस सूचना प्रौद्योगिकी को बदलने की आवश्यकता होगी?

वर्तमान में उपयोग में आने वाले अपने हार्डवेयर और सॉफ़्टवेयर का सर्वेक्षण करें।

मठ की फाइलों को "क्लाउड" या डुप्लीकेट ऑफसाइट में सुरक्षित करें।

9. क्या आपके पास बीमा है?

10. योजना किसके पास है?

सूची बनाएं कि किसके पास आपकी आपातकालीन योजना की प्रतियां हैं।

आपातकालीन योजना और टीम को अद्यतन करें।

गैर-लाभकारी और सरकारी संसथान एवं अन्य प्रशिक्षणों के माध्यम से सीईआरटी(CERT) द्वारा एक दूसरे की रक्षा करने के लिए खुद को प्रशिक्षित करें।

मठवासी अपना जीवन बचाने के लिए आपातकालीन तकनीकों का प्रशिक्षण ले रहे हैं। मठ की सम्पत्ति को बचाने के लिए हम भी इन तकनीकों को अपना सकते हैं।

- मठ में तभी प्रवेश करे जब भूकंप के झटके बंद होने के बाद वह सुरक्षित हो, तब ही मठ मे जाकर मठ कि सम्पत्ति की रक्षा करे।
- यह जाने कि मठ के भीतर सबसे मूल्यवान विरासतन सम्पत्ति कहाँ स्थित है; आशा है कि आपके आपदा-पूर्व दस्तावेज, मानचित्र और चित्रों सहित व्यापक जानकारी प्रदान करेंगे।
- सीखे कि मठ की सम्पत्ति को कैसे ले जाना है ताकि और अधिक क्षति न हो। यह इस संसाधन के आपातकालीन प्रतिक्रिया अध्याय में वर्णित है।
- मठ के मूल्यवान वस्तुओं को सुरक्षित स्थान पर ले जाने के लिए सुरक्षित स्थान का चयन करे।
- प्रत्येक मूल्यवान वास्तु का हर टूटा हुआ हिस्सा रखें।

आपके द्वारा एकत्र किए गए टुकड़ों और क्षतिग्रस्त सम्पत्ति का दस्तावेजीकरण करें।

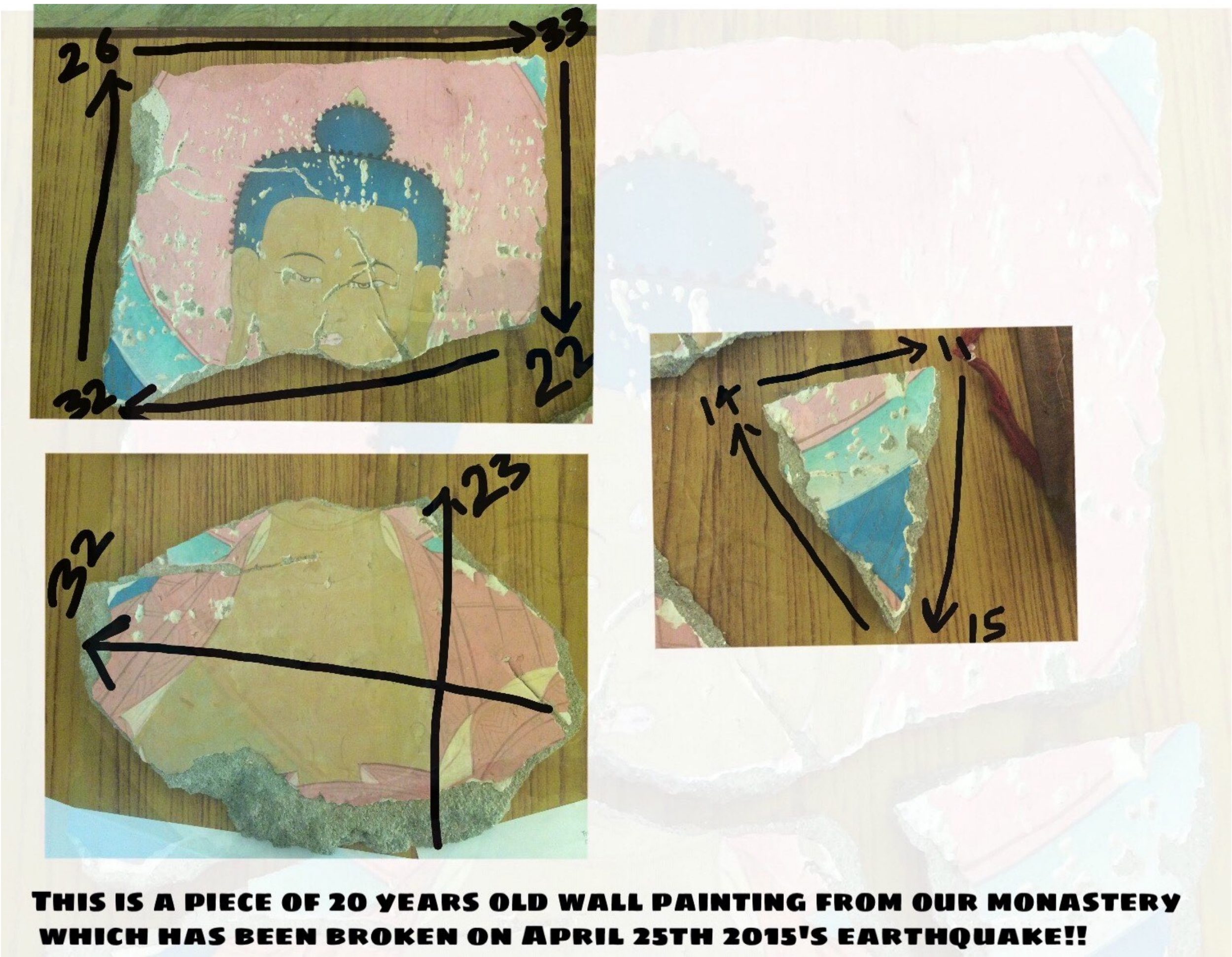

सम्पत्ति के प्रत्येक क्षतिग्रस्त और विस्थापित हिस्से को जमा करना महत्वपूर्ण है। वे इतिहास का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं और इनमे मठों के आशीर्वाद सम्मिलित हैं।

भूकंप के बाद आप अपनी सुरक्षा के लिए क्या कर सकते हैं? आप एक दूसरे की रक्षा करने का प्रशिक्षण लेते हैं। दूसरे शब्दों में, लोगों के लिए बुनियादी आपातकालीन प्रतिक्रिया के बारे में जानें। आप पहले लोगों के बारे में सोचे, उसके पश्चात मठ की सम्पत्ति के बारे मई सोचे। मैं जानती हूँ कि प्राय: विपत्तियों में भिक्षु जलती हुई या भूकंप के दौरान मठ में वापस चले जाते हैं अपने स्वामी की सम्पत्ति को बचाने के लिए। भूकंप के दौरान ऐसा करने पर मृत्यु और विकृति होती है। सर्वप्रथम होता है मानव जीवन। इसके पश्चात आप आपके दाल के नेता के निर्देशों का पालन करते हुए, संग्रहालय, मठ, या पुस्तकालय में वापस जाने से पहले यह ज्ञात करले कि अब वहा जाना सुरक्षित है, ताकि आप वस्तुओं को व्यवस्थित तरीके से सहेज सकें।

भूकंप आने पर सर्वप्रथम कार्य मानव जीवन की रक्षा का होता है। भूकंप के साथ और भूकंप के बाद आने वाले झटके अप्रत्याशित हो सकते हैं। अक्सर, भूकंप के झटको के बाद, भिक्षु मठों में लौटने के लिए सुरक्षित महसूस करते हैं जो अभी भी प्रारंभिक भूकंप के बाद खड़े हैं। जबकि भूकंप के बाद के आने वाले झटके संरचनाओं के गिरने का कारण बन सकते हैं, भले ही संरचना मजबूत प्रतीत हो। आपके मठ और सामुदायिक भवनों के ढांचे कि

क्षति भी भवन के प्रकार पर निर्भर करती है; कई वर्तमान मठ ठोस संरचनाएं हैं, जबकि अतीत में वे लकड़ी या पीटी हुई मिट्टी से बने होते थे। वर्तमान में, शहरी क्षेत्रों में मठ और ध्यान केंद्र ऊंचे कार्यालय भवनों में स्थापित किए जा रहे हैं।

भूकंप इमारतों के बाहर की वस्तुओं को क्षति पहुंचाते हैं और वे अंदर भी हानि पहुंचाते हैं। एक मंदिर बाहर तो बिल्कुल ठीक था लेकिन अंदर सब कुछ पूरी तरह से नष्ट हो गया था।

मठ के अंदर भूकंप के झटके के कारण क्षति से बिखरे हुए शीशे के टुकड़े ।

भिक्षुणिया पारंपरिक लकड़ी के मंदिरों के अंदर की मूर्तियों का निरीक्षण करती हुई।

पारंपरिक लकड़ी के मंदिरों के भीतर की मूर्तियां भूकंप के झटको के दौरान इधर-उधर हो सकती हैं और गिर सकती हैं। आप उन्हें सुरक्षित आधार और गद्देदार सहारे के साथ और अधिक सुरक्षित बना सकते हैं जो कि बक्से में नहीं दिखेंगी।

ये सुझाव मठवासियों द्वारा दिए गए थे और दर्दनाक भूकंप की घटनाओं के बाद अपने स्वयं के अनुभव से आते हैं:

नेपाल के मठवासियों के भूकंप से संबंधित सुझाव उनके ही शब्दों में :

- भारी झूमरों के स्थान पर हल्के झूमर का उपयोग किया जा सकता है।
- मूर्तियों को स्थिर रखने और भंडारण के लिए स्टायरोफोम का उपयोग किया जा सकता है और नरम कपास के साथ पंक्तिबद्ध किया जा सकता है।
- भूकंप के दौरान मूर्तियों को हिलने से रोकने के लिए स्टायरोफोम का उपयोग पीछे से सहारा देने (चित्रभूमि से मिलते जुलते रंग) के रूप में किया जा सकता है।
- अच्छी गुणवत्ता वाले स्टायरोफोम वाले हल्के भंडारण बक्से अलग-अलग वस्तुओं को रखने के लिए प्रयोग किये गए और कपास के साथ पंक्तिबद्ध किये गए।
- भारत में "वन चाइल्ड वन लाइट" परियोजना सौर प्रकाश का एक अच्छा स्त्रोत है।
- मठ की दीवार के टुकड़े (चित्र के साथ) गिने जा सकते हैं, सूती कपड़े में लपेटे जा सकते हैं, और बाद में उपयोग के लिए सूखी जगह में संग्रहीत किये जा सकते है या तो नये चित्रों के लिए संदर्भ के रूप में उपयोग या फिर पुनः उपयोग के लिए।

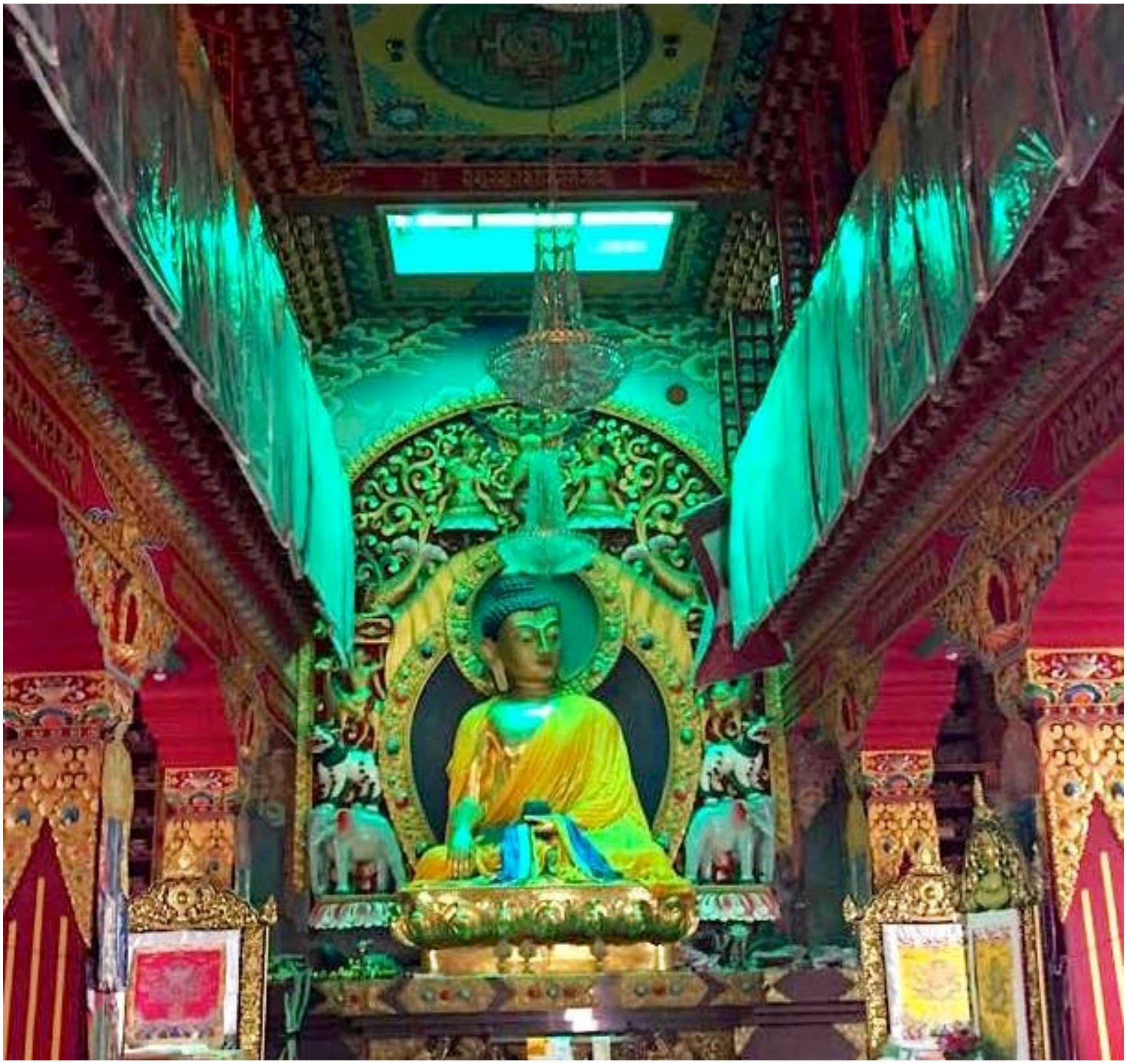

इस मठ में भूकंप की क्षति के पश्चात् की जाने वाली सफाई के दौरान यह पाया गया कि बुद्ध की मुख्य प्रतिमा क्षतिग्रस्त हुई है क्योंकि जोरदार भूकंप के कारण प्रतिमा का सिर घुमा हुआ था।

कई मठों में बड़े प्रकाश जोड़ हैं। भूकंप के दौरान अक्सर ऐसा होता है कि वे नीचे गिर जाते हैं और लोगों को चोट पहुंचा सकते हैं और साथ ही बड़ी क्षति पहुँचा सकते हैं। कई मठों में बड़े, कांच के झूमर बहुत सारे स्पटिको के साथ लटके होते हैं। बड़े भूकंपो के दौरान ये झूमर नीचे गिर जाते हैं और स्पटिक बिखरने के कारण लोगों को चोट लगती हैं । भारी झूमर को हल्के से बदला जा सकता है, या छत से जोड़ की ताकत बढ़ सकती है (एक मितव्ययी सुझाव)।

एक बड़े भूकंप के बाद एक पुनःनिर्मित मठ ने मजबूत लकड़ी के बानी हुई छत की रोशनी (सीलिंग लाइट्स) को चुना, जो मजबूती से छत से जुड़ी हुई थी, और एलईडी(LED) रोशनी के साथ थी। यह मजबूत डिजाइन अगले भूकंप के दौरान रोशनी को गिरने और लोगों को क्षति पहुंचाने से रोकने के लिए उपयोग किया गया था।

भूकंप के झटके के कारण, मठों को सजाने वाले बड़े और भारी झूमर गिर सकते हैं। जान व सम्पत्ति दोनों को गंभीर रूप से क्षति पहुँच सकती हैं।

अक्सर मठ के भंडारण कक्षों में, मुल्यवान वस्तुओं की रक्षा नहीं की जाती है, उन्हें अलमारियों या बक्सों में रखा जाता हैं । सम्पत्ति क्षतिग्रस्त नहीं होगी भूकंप के झटके आने पर यदि आप उन्हें सुरक्षित रूप से संग्रहीत करते हैं। यहाँ स्टायरोफोम बहुत उपयोगी हो सकता है: स्टायरोफोम से एक गुहा को तराशा जा सकता है, कपास के साथ उसे पंक्तिबद्ध किया जा सकता है, और इसके भीतर सम्पत्ति को सहेजा जा सकता हैं। यह मूर्तियों और अन्य मुल्यवान वस्तुओं को जगह में रख सकता है। आप विशाल मूर्तियों के लिए स्टायरोफोम का भी उपयोग कर सकते हैं। कुछ मठों में, सबसे बड़ी, सबसे मूल्यवान मूर्तियाँ भूकंप के दौरान गिर गईं और टूट गईं।

स्थानीय व्यापारी मज़बूत भंडारण और सहयोग मे आने वाली सामग्री बेच सकते हैं।

आप स्थानीय व्यापारियों से स्टायरोफोम या पैकिंग सामग्री के अन्य सस्ते टुकड़े ढूंढ सकते हैं; रासायनिक रूप से स्थिर सामग्री खोजने की कोशिश करें, न कि कार्डबोर्ड या अन्य कागज उत्पादों को। एक मठ ने स्टायरोफोम का पुनर्नवीनीकरण मंदिर के रंग में करने के बारे में सोचा ताकि इसका चमकीला सफेद रंग मुल्यवान वस्तुओँ को पीछे से सहारा देते समय अधिक न उभरे।

यह चित्र दिखाता है कि कैसे एक संग्रहालय ने भूकंप के क्षेत्र में मुल्यवान वस्तुओं के लिए स्टायरोफोम से कम लागत और सुरक्षित भंडारण बनाये है। गंभीर झटको के दौरान मुल्यवान वस्तुएं जगह में रहेंगी और ताक से नहीं गिरेंगी ।

यह एक साधारण सहारे का उदाहरण है जिसे आप मूर्तियों के आधार के चारों ओर रखने के लिए बना सकते हैं। यह *Tyvek (*भवन निर्माण में उपयोग किया जाता है और स्थानीय बाजारों में आसानी से मिल जाता है*)* से बनाया जाता है और रेत या अन्य वजन से भरा होता है।

सौर प्रकाश का भी उपयोग किया जाता है ताकि हर भिक्षु और भिक्षुणी के पास ऐसा प्रकाश का संसाधन हो जिसके लिए बैटरी या बिजली की आवश्यकता न हो। सौर प्रकाश बहुत सस्ती होती है। भूकंप के दौरान सौर प्रकाश का उपयोग करे जब बिजली उपलब्ध नहीं हो। यह प्रकाश आपात स्थिति के लिए उपयोगी हैं, हर मठ और स्कूल के बिजली बिलों को बचाने के लिए भी सहायक हैं क्योंकि हर बार अंधेरा होने पर बस इस छोटी सी रोशनी को चालू कर देने से हर छात्र, भिक्षु और भिक्षुणी पढ़ सकते हैं। और यह सूर्य की ऊर्जा जिससे यह प्रकाश होता है वह नि: शुल्क है। उदाहरण के लिए, "वन चाइल्ड, वन लाइट" नामक एक संगठन है और उनके पास $ 5 या उससे कम मे सौर प्रकाश है। आप अपने कार्यस्थल, मठ या स्कूल में सभी को एक दे सकते हैं और आप हर समय उनका उपयोग कर सकते हैं। दिन में इन्हें धूप में रख दें और रात में आपको बिजली की जरूरत नहीं पड़ेगी। भूकंप के दौरान जब बिजली नहीं होती और इसलिए रोशनी नहीं होती, तो आप हर दिन इनका इस्तेमाल और रिचार्ज करते रहे होंगे तोह आपको प्रकाश न होने की परेशानी नहीं होगी। सौर प्रकाश एक अद्भुत संसाधन है। सौर प्रकाश के अलावा, विंड-अप टॉर्च (फ्लैशलाइट्स) का तुरंत उपयोग किया जा सकता है और पूरे मठ में अग्निशामक यंत्रों के पास और प्रवेश द्वारों में यह होती है।

भिक्षु प्रतिदिन सवेरे अपने कक्ष के बाहर अपने सौर प्रकाश को भरा करता है। कुछ मठों में, बंदर इसे ले जाते थे, इसलिए इसे खिड़की के अंदर सूरज की ओर मुख करके दुबारा भरा जा सकता है।

जब दीवार के चित्र क्षतिग्रस्त हो जाते हैं, और टुकड़े गिर जाते हैं, तो उन्हें क्रमांकित किया जा सकता है और सावधानी से लपेटा जा सकता है।

एक मठ में, उनके ऐतिहासिक भित्ति चित्रों *(वॉल पेंटिंग्स)* के कुछ शेष अंशों को प्रलेखित किया गया और मठ की सम्पत्ति के रूप में रखा गया।

भूकंप से जुड़ी सलाह व अनुभव मठवासियों के अपने शब्दों में :

- भूकंप के दौरान मूर्तियों को हिलने से रोकने के लिए सहारे बनाए जा सकते हैं।

- मठ की दीवार के टुकड़े (भित्ति चित्रों के साथ) को पीछे की तरफ क्रमांकित किया जा सकता है, फोटो खिंचवाया जा सकता है (समान संख्या वाला), सूती कपड़े में लपेटा जाता है, और बाद में उपयोग के लिए एक सूखी जगह में संग्रहीत किया जाता है (या तो वापस रखने के लिए या नये भित्ति चित्र के संदर्भ के रूप में उपयोग करने के लिए)। भंडारण के लिए उपयोग किए जाने वाले साधारण बिना रंगे सूती कपड़े को बाजार में खरीदा जा सकता है। कपड़े को उबलते पानी में भिगोया जाता है ताकि निर्माण के दौरान रसायनों (जैसे फॉर्मलाडेहाइड) से छुटकारा मिल सके और फिर धूप में सुखाया जाता है।

- सीधे दीवार पर लगाने के बजाय फ्रेमयुक्त कैनवास पर नये भित्ति चित्र का विचार किया जा सकता हैं।

- यदि मूल्यवान वस्तुओं को लपेटने के लिए प्लास्टिक का उपयोग किया जाता है, तो पहले रुई में लपेटें, और फिर बेहतर गुणवत्ता वाले प्लास्टिक का उपयोग करें।

- मठ के शीर्ष पर धर्म प्रतीकों को बनाने के लिए ठोस भारी कंक्रीट के स्थान पर वैकल्पिक सामग्री का चयन करना एक विकल्प हो सकता है जो भविष्य की भूकंपीय गतिविधि के दौरान चोट और मृत्यु को रोकने में सहायता कर सके।

- भारी पुराने कांच और धातु के झूमरों को हल्के वाले से बदला जा सकता है।

- भविष्य की भूकंपीय गतिविधि के दौरान क्षति को सीमित करने के लिए प्रतिमाओं के लिए सुरक्षित आधारों का निर्माण करे ।

- अलग-अलग वस्तुओं को रखने के लिए बनाए गए अच्छी गुणवत्ता वाले आंतरिक सहारे के साथ हल्के, मजबूत भंडारण बक्से बनाये जा सकते हैं । इन बक्सों को मठ से एक पूर्व-व्यवस्थित योजना द्वारा बाहर ले जाया जा सकता है जिसमें सबसे मूल्यवान वस्तुओं की पहचान की गयी हो ।

सारांश

कुछ क्षेत्रों में भूकंप के झटके आते रहते हैं। आप अपने मठ में जोखिम का आंकलन करके और अपनी आपातकालीन योजना पहले से बनाकर जीवन और सम्पत्ति दोनों को बचा सकते हैं। हालांकि अंतरराष्ट्रीय भूकंप विशेषज्ञों से सलाह और जानकारी हमारे परिशिष्ट में शामिल है, तब भी सबसे सर्वोत्तम और सबसे व्यावहारिक सुझाव और समाधान मठों में भिक्षुओं और भिक्षुणीयो द्वारा आते हैं जिन्होंने व्यक्तिगत रूप से भूकंप का अनुभव किया है। आप बौद्ध सम्पत्ति के संसाधनों के संरक्षण के अन्य अध्यायों में विशिष्ट कम लागत वाली और सरल रोकथाम और उपचारात्मक तकनीकों के बारे में अधिक जानकारी प्राप्त कर सकते हैं, जैसे दस्तावेज़ीकरण, दीवार पर भित्ति चित्र, भंडारण, आग, पानी, आदि।

पेमा चोड्रोन फाउंडेशन, ख्यंटसे फाउंडेशन, शम्भाला ट्रस्ट, शेली और डोनाल्ड रुबिन फाउंडेशन, ओरेकल कॉर्पोरेशन, हेनरी मिंग शेन, एनी थॉमस डोनाघी तथा **बौद्ध सम्पत्ति संसाधनों के संरक्षण** हेतु वित्तपोषण करने वाले ऐसे अनेक अन्य संस्थानों का हार्दिक आभार है ।